भजन

पिया हमारे रूहें पुकारे
तेरे सिवा अपना कोई नहीं है

1 हुकमें भुलाई, हुकमें जगाई
हुकम से ही रूहें फना में हैं आई
हो.. हिकमत हुकम की रूहें जान गई हैं

2 जागी जो रूहें, रह नहीं पाए
पिया बिन उनको ना कुछ भायें
हो.. तेरे हुकम की बाँधी बर्धी ये हुई है

3 रूहों का तुमसे अरश का नाता
बीच हमारे जहाँ हुकम ना आता
हो.. बात हुकम पे अब क्यों आई हुई है